Skill Development Programme

For Answer Writing

Art & Culture (Model Answer)

DATE : 15-June-2018 **TIME : 11:45 am**

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- 'हड़प्पा सभ्यता' भारत की पहली नगरीय सभ्यता थी। इस सभ्यता की विलक्षणता को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(150 शब्द, 10 अंक)

"Harappa Civilization' was the first urban civilization of India. Explain the peculiarity of this civilization with examples. (150 Words, 10 Marks)

MODEL ANSWER

उत्तर- हड़प्पा सभ्यता का उदय ताम्रप्राषाणिक पृष्ठभूमि में भारतीय उपमहाद्वीप के पश्चिमोत्तर भाग में हुआ था। यह भारत की प्रथम नगरीय सभ्यता व विश्व की प्राचीन सभ्यताओं में से एक थी। समकालीन सभ्यताओं के साथ तुलनात्मक अध्ययन एवं इसके तत्वों (नगर नियोजन प्रणाली, मुहरें, मृणमूर्तियां और लम्बे-लम्बे चर्ट फलक) के आधार पर इसके नगरीय सभ्यता के रूप में विकसित होने की पुष्टि की जाती है। इसलिए माना जाता है कि हड़प्पा सभ्यता अपने वास्तविक स्वरूप में इन संस्कृतियों से कहीं ज्यादा विकसित थी।

हड़प्पा संस्कृति की उन्नत नगर योजना समकालीन संस्कृतियों से विशिष्ट थी। प्रत्येक नगर में दुर्ग के बाहर एक-एक उससे निम्न स्तर का शहर था, जहाँ ईटों के मकानों में सामान्य लोग निवास करते थे। इन नगरों के भवनों की विशिष्ट बात यह थी कि यह जाल (ग्रिड) की तरह व्यवस्थित थे। तदनुसार सड़के एक-दूसरे को समकोण पर काटती थीं। नगरों में व्यवस्थित ढ़ग से सड़के एवं गलियाँ बनाई जाती थी। मोहनजोदड़ो की जल निकास प्रणाली अद्भुत थी। लगभग सभी नगरों के हर छोटे या बड़े मकान में प्रांगण और स्नानागार होते थे। वहीं कालीबंगा के अनेक घरों में अपने-अपने कुएँ थे। मोरियाँ ईटों तथा पत्थरों की सिल्लियों से ढ़की रहती थीं। इन मोरियो में मेनहोल भी बने होते थे। हड़प्पाई क्षेत्र अर्द्धशुष्क क्षेत्र में स्थित थे। इसलिए उन्होंने जल के भण्डारण पर भी बल दिया। हड़प्पाई लोगों का वैज्ञानिक दृष्टिकोण उन्हें समकालीन सभ्यताओं से विशिष्ट बनाता है। जहाँ उन्हें अंकगणित एवं ज्यामिति का भी अच्छा ज्ञान था, वहीं वे फीट व क्यूबिक से भी परिचित थे। चूँकि यह नगरीय सभ्यता थी, इसलिए नगर में अलग-अलग सामाजिक पृष्ठभूमि के लोग निवास करते थे। इसी कारण इनके धर्म व मृत्तक संस्कार पद्धति में विविधता देखने को मिलती है।

निष्कर्ष:

- उपर्युक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि हड़प्पा सभ्यता अपने वास्तविक स्वरूप में नगरीय सभ्यता थी। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में दृष्टिपात करने पर ज्ञात होता है कि आधुनिक काल तक हड़प्पा सभ्यता की विलक्षणता स्मार्ट सिटी, वाणिज्य-व्यापार, पूजा पद्धति इत्यादि के स्वरूप में विद्यमान हैं जो इसके निरंतरता के द्योतक भी हैं।

* * *